पेसा कानून के तहत गाँव विकास नियोजन

विलेज प्रोफाइल

डोलवर निचली

गाँव - डोलवर निचली

पंचायत - कहारी

तहसील - दोवड़ा, जिला - डूंगरपुर, राजस्थान

पीस

डोलवर निचली गाँव का परिचय

डोलवर निचली गाँव कहारी ग्राम पंचायत का राजस्व गाँव है । कहारी पंचायत में चार राजस्व गाँव है - कहारी अ, कहारी ब, थैयाता और डोलवर निचली । डोलवर निचली गाँव जिला मुख्यालय डूंगरपुर से 26 किलोमीटर दूर उत्तर दिशा में बसा हुआ है। डोलवर निचली गाँव के सीमावर्ती गाँव उत्तर में देवली-दरा, दक्षिण में तलैया, पूर्व में कहारी ब, पश्चिम में कहारी-डोलवर उपली है ।

वर्ष 2015 में गाँव में पेसा कानून के तहत शिलालेख हो गया और गाँव सभा का गठन कर दिया गया । गाँव सभा की बैठके की जाती है और गाँव के मुद्दों पर गाँव सभा द्वारा फैसले लिए जाते है । डोलवर निचली गाँव में 60 प्रतिशत आबादी को पेसा कानून और उसकी शक्तियों की जानकारी है ।

डोलवर निचली में करीब 400 घर है, जिनकी आबादी लगभग 2200 है । डोलवर निचली में एस.टी. की रोत, कटारा, बरंडा, बूज, ननोमा, अहारी, बारिया, पारगी, डिन्डोर, डामोर, कलासुआ उप-जातियो के लोग रहते है । एस.सी. जाति ढ़ोली, यादव और कनिपा और ओ.बी.सी. में लोहार समाज के लोग रहते है । गाँव की पूरी जमीन 786.77 हेक्ट. है जिसमें कृषि योग्य जमीन 387 बीघा तथा 217 बीघा चारागाह जमीन, 133 बीघा जंगल और बेनामी जमीन शामिल है । गाँव की जमीन पथरीली, पहाड़ी ढलान और उबड़-खाबड़ है, जिस कारण अच्छी खेती, प्रर्याप्त आजीविका के साधन, अच्छी सड़क सुविधा की गाँव में ज्यादा गुंजाइश नहीं है ।

यातायात और आवागमन

गाँव जाने के लिए डूंगरपुर बस स्टैंड के बाहर से प्राइवेट बस या बांसवाडा जाने वाली रोडवेज बस से डोजा मोड़ उतर कर ऑटो और जीप की मदद से गाँव में जाया जा सकता है । गाँव में 5 पक्की सड़के है जिसमे से मेन रोड पूरी टूट गयी है, बाकी की पक्की रोड़ छोटी है, तेज बारिश के कारण दो सड़के कटकर बह गयी है । गाँव में 4 सी. सी. सड़के है चारों ही टूटी हुई है । गाँव की जमीन ऊची-नीची और पहाड़ी है जिस कारण रोड़ बनाने में समस्या आती है । गाँव के भीतर फलों में जाने के लिए सी.सी. सड़क के अलावा 2 कच्ची सड़क है। गाँव के मुख्य सड़क से ऑटो, जीप दूसरे गाँव में जाने के लिए मिल जाते है। गाँव के फलों में ग्रामीण अपने नीजी वाहन जैसे मोटर साइकिल का उपयोग करते है या फिर पैदल जाया जाता है। क्योंकि गाँव के फलों की पगडण्ड़िया काफी सकरी और धूल भरी है जिससे आने जाने में समस्या होती है ।

शिक्षा व स्वास्थय

गाँव में 2 प्राथमिक विद्यालय और 1 मिडिल विद्यालय है । हर प्राथमिक विद्यालय में बच्चों की अपेक्षाकृत अध्यापकों की संख्या कम है । प्राथमिक स्कूलों और मिडिल स्कूल की छत और फर्श टूट चुकी है, छत से प्लास्टर गिरता है जिससे बच्चों के साथ हादसा होने की आशंका बनी रहती है । फर्श में गड्डे हो गये है जिस कारण न तो बच्चे ढंग से पढाई कर पाते है न ही कक्षा-कक्ष में बैठ पाते है । इन्हें

जमीन पर ही बैठना पड़ता है क्योंकि दरी की व्यवस्था नहीं है । स्कूलों में खेल का मैदान तथा शौचालय की हालत जर्जर है, शिक्षकों की कमी है, पीने के पानी के लिए लगा हैंडपंप भी ख़राब है । उच्च शिक्षा के लिए पास के गाँव कहारी अ में सीनियर सेकेंडरी स्कूल है किन्तु उसमे भी अध्यापकों की कमी है शौचालय अलग-अलग बने है लेकिन उनमे पानी की टंकी नहीं है, सफाई के अभाव में बहुत गंदे हो गये है । पीने के पानी के लिए आर.ओ. नहीं लगा है स्कूल की बाउन्ड्री टूटी हुई है । सीनियर सेकेंडरी स्कूल को लेकर गाँवो में समस्या है कि यह स्कूल डोलवर निचली की जमीन पर बना है लेकिन नाम कहारी अ का दिया गया है । स्नातक स्तर की शिक्षा के लिये डूंगरपुर शहर में आना पड़ता है, अधिकतर बच्चे डूंगरपुर में छात्रावास में या किराये पर कमरा लेकर रह रहे है ।

गाँव में 1 उपस्वास्थ्य केन्द्र है, जहाँ ए.एन.एम. दवा दे देती है, सरकारी हॉस्पीटल दामडी गाँव में है । मरीजो को अस्पताल ले जाने के लिए टेम्पो या 108 की सुविधा मुख्य रोड़ से मिल जाती है लेकिन मेन रोड़ तक मरीज को किसी तरह उठाकर लाना पड़ता है। बडा हॉस्पीटल 26 किमी दूर डूंगरपुर में है।

कृषि और रोजगार की स्थिति

गाँव में कुल 786.77 हेक्ट जमीन में से कृषि योग्य जमीन 387 बीघा है, जिसमें खरीफ की मुख्य फसल - मक्का, उडद, मूंग, चना की खेती की जाती है । अधिकतर खेती की जमीन उबड़-खाबड़ और पहाड़ी है । जिनके पास सिंचाई की सुविधा उपलब्ध है वे किसान गेहूँ, और गन्ना भी उगाते है । लेकिन यह बेचकर आय की जा सके इतना उत्पादन नहीं होता है । बारिश के बाद गाँव में तेजी से जल स्तर नीचे चला जाता है कुओं, नालों, तालाब, और एनिकट में पानी अप्रैल-मई महीने तक ही रहता है । खेती से चार या पांच माह खाने भर का अनाज होता है उसके बाद सरकारी राशन की दुकान या बाजार से खरीदना पड़ता है। जिसके लिए राशन की दुकान गाँव में ही है । घर चलने के लिए आजीविका का साधन या रोजगार के नाम पर गाँव में खेती ही प्रमुख है और सरकारी योजना में मनरेगा में काम चलता है, जहाँ साल के 50-60 दिन ही काम मिलता है और मजदूरी भी 90-100 रूपए ही मिलती है । अधिकतर लोग कड़िया मजदूरी करते है या डूंगरपुर शहर में आते है और गुजरात में अहमदाबाद, मोडासा, हिम्मतनगर जाते है, जहां वे खेतों में तथा फेक्ट्री में काम करते है।

सिंचाई की व्यवस्था एवं स्थिति

गाँव में पीने के पानी और सिंचाई के लिए प्रर्याप्त साधन है । खेतों में सिंचाई के लिए 8 नाले, 7 तालाब, 32 कुएं, 5 एनिकट है, लेकिन बरसात के बाद जल-स्तर तेजी से नीचे चला जाता है जिससे आधे से ज्यादा कुएं सूख जाते है और एनिकट जर्जर हो गये है, जिस कारण पानी रिस कर निकल जाता है । नाले अप्रैल माह तक सूख जाते है । कुछ कुओं कों अभी गहरा किया गया है जिस कारण उनमे पानी मिल जाता है । बोरवेल की सुविधा है लेकिन मध्य ग्रीष्म ऋतु में पानी का जल स्तर नीचे चला जाता है और इनमे भी पानी की कमी हो जाती है ।

पशुपालन

गाँव में लोग गाय, बैल, बकरी, मुर्गीपालन, और भैस पालते है जिनसे उनके दूध और खाने के लिए मांस की जरुरत पूरी हो जाती है । इसके अलावा ये बकरे को डूंगरपुर शहर के बाजार में लाकर बेचते भी है जिससे भी आय हो जाती है । गाँव की चारागाह जमीन और जंगल की जमीन पर वन विभाग का कब्ज़ा है । पशुओं के लिए चारा, पानी की कमी से इतना नही हो पाता है जिससे पूरे वर्ष जानवरों को चारा खिलाने का काम चल सके । अक्सर चारे के अभाव में पशुओ की मृत्यु भी हो जाती है । गाँव में किसी को भी पशुबाड़ा नहीं मिला है जिस कारण सर्दी की वजह से पशुओ का सर्दी से बचाव नहीं हो पाता है । मार्च के बाद चारे और भूसे का ट्रक खरीदना पड़ता है जो 15000 से 18000 रुपए कीमत में पड़ जाता है जिसे 4-5 लोग मिल कर खरीदते है ।

गाँव की चिन्हित समस्याओं का विवरण निम्न् प्रकार है-

प्राकृतिक संसाधन

डोलवर निचली गाँव में जंगल की जमीन 133 बीघा है । जिस पर वन विभाग और गाँव का सामूहिक कब्ज़ा है । गाँव के जंगल में अभी भी सागवान, तेंदुपत्ता, ढ़ाक, टिम्बरु और आम के पेड़ है । लेकिन कुछ भाग में केवल बबूल के पेड़ है । तेंदुपत्ता इक्कठा करने के लिए वन विभाग से अनुमति ली जाती है । सागवान के पेड़ की कटाई पर वन विभाग ने रोक लगा दी है लेकिन आम, महुआ, आवला, चारा जैसे लघुवन उपजों पर कोई रोक नहीं है । किन्तु बेच कर आय हो पाए यह इतना प्रचुर मात्रा में नहीं है । गाँव की बिलानाम जमीन पर सरकार का कब्ज़ा है । इस पर अभी सामूहिक दावा प्रस्तुत नहीं किया गया है । गाँव में बड़े पहाड़ है, जिस पर गाँव का कब्ज़ा है लेकिन इनमे किसी भी प्रकार के खनिज की जानकारी नहीं है ।

आवागमन की समस्या

गाँव में 5 पक्की सड़के है जिसमे से मेन रोड पूरा टूट गया है, बाकी की पक्की रोड़ छोटी है लेकिन तेज बारिश के कारण दो सड़के कटकर बह गयी है । गाँव में 4 सी. सी. सड़के है चारों ही टूटी हुई है । गाँव की जमीन ऊची-नीची और पहाड़ी है जिस कारण रोड़ बनाने में समस्या आती है । गाँव के भीतर फलों में जाने के लिए सी.सी. सड़क के अलावा 2 कच्ची सड़क है। गाँव के मुख्य सड़क से ऑटो, जीप दूसरे गाँव में जाने के लिए मिल जाते है। गाँव के फलों में ग्रामीण अपने नीजी वाहन जैसे मोटर साइकिल का उपयाग करते है या फिर पैदल जाया जाता है। क्योंकि गाँव के फलों के पगडण्ड़िया काफी सकरी और धुल भरी है जिससे आने जाने में समस्या होती है । सवारी वाहन भी जब तक पूरे भर नहीं जाते तब तक नहीं चलते है जिससे लोग कहीं भी पहुँचने में लेट हो जाते है । निजी सवारी वाहन चालक किराया भी ज्यादा और मनमाने ढ़ंग से वसूलते है । प्राइवेट या सरकारी बस पकड़ने के लिए गाँव से बाहर 5

किमी जाना पड़ता है । गाँव के लोग भी इस समस्या को जानते हुए भी पंचायत या जिला मुख्यालय पर नहीं उठाते है ।

भूमि व जल प्रबंधन की कमी

गाँव में ज्यादातर लोगों के पास अपनी कब्जे की जमीन के पट्टे नहीं है और जिनके पास है वो भी न्यूनतम दो बीघा और अधिकतम पांच बीघा है । सरकार की नीतियों के कारण लोगों को जमीन हाथ से जाने का भय है । ज्यादातर खेत उबड़-खाबड़ है जिन्हें समतलीकरण की आवश्यकता है और असिंचित खेतों में नहरों की कोई व्यवस्था नहीं होने के कारण उनमें केवल बारिश के पानी से ही फसल की पैदावार हो पाती है । गाँव में 8 छोटे-बड़े नाले और 32 कुएं है लेकिन सभी अप्रैल - मई तक सूख जाते है । कुओं की गहराई ज्यादा से ज्यादा 100-120 फीट ही है इनमे पानी बारिश के बंद होते ही खत्म होना शुरू हो जाता है । नालों पर बारिश के पानी को रोकने के लिये 5 एनिकट बने है जो बहुत पुराने हो चुके है वे जर्जर हालत में है । बांध की ऊंचाई कम होने और दरारों से रिसाव के कारण सालभर पानी नहीं रहता है। गाँव में 7 तालाब है लेकिन मार्च माह तक ही पानी रहता है । गाँव में 36 हैण्डपम्प है, जिसमे से 5 बंद है । सभी हैण्डपम्प और बोरवेल का पानी फ्लोराइड से दूषित है। इतने जल संसाधन होते हुए भी गर्मी में ना तो पीने को पानी मिल पाता है ना ही सिंचाई का पानी मिल पाता है।

पशुपालन संबंधित समस्या

गाँव में गाय, बैल, भैंस व बकरी पाली जाती है। गाँव में खेती की जमीन और चरागाह की जमीन पर जो चारा होता है वह साल भर नहीं चल पाता है। खेती में सिंचाई के पानी की कमी के कारण खेतों में पशुओं के प्र्याप्त मात्रा में चारा भी नहीं उगाया जाता है। जो भी चारा बारिश के माह में होता है वह केवल चार या पांच माह ही चल पाता है उसके पश्चात खरीद कर लाना पडता है। चारे की एक पुली या गटठर सात रूपये में खरीदते है या फिर 4-5 परिवार वाले मिल कर 15000 से 18000 रूपये में भूसे का ट्रक खरीदते है । गाँव में दूध और कृषि के उपयोग में लेने के लिए उन्नत किस्म के पशु नहीं है । चारे के अभाव में दुधारू पशु भी ज्यादा दूध नहीं देते है केवल घरभर का काम निकल जाता है । अक्सर चारे के अभाव में पशुओ की मृत्यु भी हो जाती है । गाँव में किसी को भी पशुबाड़ा नहीं मिला है जिस कारण सर्दी की वजह से पशुओ का सर्दी से बचाव नहीं हो पाता है ।

शिक्षा एवं स्वास्थ्य का निम्न स्तर

गाँव में 400 घर है, पढने वाले बच्चों के लिए 2 प्राथमिक विद्यालय और 1 माध्यमिक विद्यालय मात्र है, दोनों प्राथमिक विद्यालय में बच्चों के अपेक्षाकृत अध्यापकों की संख्या कम है । प्राथमिक स्कूलों और मिडिल स्कूल की छत और फर्श टूट चुकी है, छत से प्लास्टर गिरता है जिससे बच्चों के साथ हादसा होने की आशंका बनी रहती है । फर्श में गड्डे हो गये है जिस कारण न तो बच्चे ढंग से पढाई कर पाते है न ही कक्षा-कक्ष में बैठ पाते है । इन्हें जमीन पर ही बैठना पड़ता है क्योंकि दरी की व्यवस्था नहीं है ।

स्कूलों में खेल का मैदान तथा शौचालय की हालत जर्जर है, शिक्षकों की कमी है, पीने के पानी के लिए लगा हैंडपंप भी ख़राब है और पानी में फ्लोराइड है । उच्च शिक्षा के लिए पास के गाँव कहारी अ सीनियर सेकेंडरी स्कूल है किन्तु उसमे भी अध्यापकों की कमी है शौचालय अलग-अलग बने है लेकिन उनमे पानी की टंकी नहीं है, सफाई के अभाव में बहुत गंदे हो गये है । पीने के पानी के लिए आर.ओ. नहीं लगा है स्कूल की बाउन्ड्री टूटी हुई है । अध्यापकों की कमी के कारण बच्चों की शिक्षा भी प्रभावित हो रही है । सीनियर सेकेंडरी स्कूल को लेकर गाँवो में समस्या है कि यह स्कूल डोलवर निचली की जमीन पर बना है लेकिन नाम कहारी अ का दिया गया है । स्नातक स्तर की शिक्षा के लिये डूंगरपुर शहर में आना पड़ता है, अधिकतर बच्चे डूंगरपुर में छात्रावास में या किराये पर कमरा लेकर रह रहे है । इन सभी समस्याओं कों लेकर वे गाँव सभा में भी प्रस्ताव लिखकर अधिकारीयों और पंचायत में जमा करा चुके है ।

गाँव में 1 मिनी आंगनवाड़ी और 2 माँ-बाड़ी है ये सभी अच्छी हालत में है आँगनवाड़ी अच्छी हालत में है लेकिन पोषाहार को लेकर लोगो को समस्या है वहाँ पोषाहार अच्छा नहीं दिया जाता है । गाँव में एक उपस्वास्थ्य केन्द्र है । सरकारी हॉस्पीटल गाँव से दूर दामडी में है। जिसके लिये टेम्पो या 108 की सुविधा है। लेकिन इसके लिए मरीज को मुख्य सड़क पर लाना बड़ा ही कठिन कार्य है क्योंकि सड़क खस्ता हाल है और पगडण्ड़िया सकरी है जिन पर चार-पहिया वाहन नहीं जा सकता है । बडा हॉस्पीटल 26 किमी दूर डूंगरपुर में है।

कृषि एवं खाद्यान्न की स्थिति

डोलवर निचली गाँव की खेती की जमीन पथरीली और पहाड़ी है जिसमे अच्छी खेती और उत्पादन सम्भव नहीं है । गाँव में मुख्य फसल बारिश के मौसम में उगायी जाती है क्योंकि बारिश के बाद गर्मी के मौसम में सिंचाई के पानी की कमी हो जाती है। हालाँकि वहाँ पर 5 एनिकट, 8 छोटे-बड़े नाले, 7 तालाब, 32 कुऐ और बोरवेल है, लेकिन सभी जल स्रोतों में पानी साल के अप्रैल-मई महीने में ख़त्म हो जाता है । चूँकि गर्मी में जल स्तर नीचे चला जाता है और पानी की कमी हो जाती है । गाँव में भू-जल स्तर 200 फुट नीचे चला गया है। गाँव के तालाब सफाई के अभाव में मिट्टी और कीचड़ से उथले हो गये है और इनसे लगातार पानी का रिसाव होता रहता है । *यदि अभी वर्तमान में जमीनी जलस्तर 200 फुट गहराई में चला गया है और ग्रीष्म ऋतु में पानी ख़त्म हो जाता है तो कुछ सालों बाद गाँव में पानी का स्तर और भी अधिक गहराई तक चला जाएगा। इसके साथ ही गाँव में खेती और पीने के पानी के लिए बड़ा संकट उत्पन्न हो जायेगा । वर्तमान में जो पानी को ना सहेजने की प्रवृति है वो बनी रही तो भविष्य में गाँव खाली करने या दूसरी जगह पर विस्थापित होने की स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है ।*

गाँव में खेती से होने वाला अनाज केवल 5 या 6 माह ही चल पाता है, खेती से होने वाला अनाज पर्याप्त नहीं होने के कारण खरीद कर लाना पड़ता है। जिसके लिये सरकारी उचित मूल्य की दुकान गाँव में ही है । राशन की दुकान पर केवल गेहूं मिलता है, चीनी तथा केरोसीन त्यौहारों पर ही मिलता है। कई

बार राशन की दुकान पर दिया जाने वाला गेहू भी गुणवत्तापूर्ण नहीं होता है । राशन दुकान पर पॉस मशीन की भी समस्या रहती है। इसके अलावा जिन लोगो ने गाँव में घर में शौचालय नहीं बनाये है उनका राशन बंद कर दिया गया है । गाँव में जिन्हें उज्ज्वला गैस कनेक्शन मिल गया है उनका केरोसिन बंद हो गया है लेकिन इस योजना में गड़बड़ी है कि जिन्हें उज्ज्वला गैस कनेक्शन नहीं मिला है उनका भी बंद हो गया है । गाँव के लोगो की स्थिति इतनी सुदृढ़ नहीं है कि वे हर महीने सिलेन्डर खत्म होने पर उसे फिर से रिफिल करवा पाए और ब्लैक में मिट्टी का तेल खरीद सके ।

आजिविका एवं रोजगार के साधनों की कमी

गाँव में रोजगार का मुख्य साधन या तो खेती है अन्यथा मनरेगा में मजदूरी एक मात्र आजीविका चलाने का साधन है । रोजगार की स्थिति भी काफी खराब है, गाँव के अधिकतर युवा गुजरात राज्य के अहमदाबाद, हिम्मतनगर, सूरत, मोडासा या महानगर बम्बई में मजदूरी करने के लिये जाते है। गाँव में नरेगा पर काम मिलता है। जिसमें गाँव की 80 प्रतिशत महिलायें जाती है तथा जो पुरुष यहां रह कर खेती करते है वे भी नरेगा में काम पर जाते है। वर्तमान में मनरेगा में जो मजदूरी दी जा रही है वह भी 100 रूपये तक ही दी जाती है। गाँव के पढ़े - लिखे युवा लोग काम करने के लिए शहरों में आते है । कुछ लोग अच्छी जीविका की तलाश और अच्छी सुविधाओं के लिए दूसरे जिलों में भी पलायन कर गये है

अन्य

1 श्मशान घाट है लेकिन टीन, छाया, पानी, रोड की व्यवस्था नहीं है न ही कोई बैठक व्यवस्था है । 1 सामुदायिक भवन है जो की खंडहर हो गया है अब वहाँ कोई बैठक या कार्यक्रम नहीं किया जाता है । गाँव में योजना के तहत बने शौचालय आधे-अधूरे है पानी की कमी के चलते उपयोग नहीं हो पा रहा है । गाँव में 4 बिजली के ट्रांसफार्मर लगे है लेकिन सभी घरों में बिजली नहीं है । जिन घरों में यह सुविधा उपलब्ध है उन्हें भी 6-8 घंटे ही बिजली मिल पाती है और बिजली विभाग के कर्मचारी बिना मीटर रीडिंग किये ही बिल दे देते है जो की अनुमान से भी कहीं गुना ज्यादा होता है ।

गाँव में उपलब्ध संसाधन, उनकी हालत और संभावनाएं-

संसाधन	हालत	सम्भावना
जल नाला तालाब एनिकट कुआं हैण्डपम्प	गाँव में 8 बरसाती नाले और 5 एनिकट है इनमे पानी मार्च मई तक ही रहता है । 3 एनिकट जर्जर है और बांध में दरारे पड़ गयी है। उनकी दरारों से पानी रिस कर निकल जाता है । 7 तालाब में पानी बारिश के बाद मार्च तक रहता है बाद में	गाँव वासियों के अनुसार यदि एनिकटो की मरम्मत और बांध की ऊंचाई बढाई जाये तो पूरे साल सिचाई की व्यवस्था हो सकती है । नालों की पक्की रिन्गवाल बनाई जाये, उसे पक्का बनाने से जमीन का कटाव नहीं होगा । नाले के रास्ते पर

बोरवेल	सूख जाते है । गाँव में 32 कुएं, 36 हैंडपंप है लेकिन आधे से ज्यादा सूखे है या पानी नहीं आता है, जो चालू है उनका पानी भी फ्लोराइड युक्त है। सिमित जल-स्रोतों में ही साल भर पानी रहता है यह पानी पशुओ के पीने और नहाने-धोने के काम आता है, गर्मी समाप्त होने से पहले ही सभी जल-स्रोतों में पानी सूख जाता है। ऐसी स्थिति में मवेशीयों के पीने के पानी और सिंचाई की समस्या हो जाती है।	छोटे छोटे चेकडेम बनाये जाए तो गाँव में जमीनी पानी का तो जलस्तर ऊंचा होगा ही एनिकट में भी पानी अधिक समय तक रुक जाएगा और गाँव में गर्मियों में पानी के संकट को दूर किया जा सकता है। फ्लोराइड मुक्त पानी के लिए आर.ओ. प्लांट लगना चाहिए ।
जमीन कृषि भूमि बिला नाम भूमि चरागाह पहाड़ जंगल	गाँव में जमीन समतल नहीं है, अधिकतर छोटी पहाडी, उबड़-खाबड़ और पथरीली ढलान वाली जमीन है। गाँव में बिलानाम जमीन पर सरकार का कब्ज़ा है । गाँव में चारागाह भूमि है जिस पर केवल बरसात में होने वाली घास होती है जिसे चारे के रूप में लोग काट कर लाते हैं। समतल भूमि ही सिंचित है बाकी जमीनें असिंचित है। असिंचित भूमि पर बरसात में होने वाली फसल ही पैदा होती है। पहाड़ बड़े है लेकिन उनमे किसी भी प्रकार के खनिज मिलने की कोई जानकारी नहीं है अभी पहाड़ पर जंगल उगा हुआ है । जिसके उत्पादों को गाँव के लोग काम में लेते है । सामुदायिक दावा फाइल लगाई है लेकिन पट्टा नहीं मिल पाया है ।	गाँव की उबड़-खाबड़ जमीनों को अपना खेत अपना काम योजना के तहत समतलीकरण करके उसे उपजाऊ बनाया जा सकता है। गाँव की बेकार पड़ी जमीन को उन्नत कृषि तकनीकी के माध्यम से उपजाऊ बनाया जा सकता है । जिस पर किसी प्रकार की खेती या उपज नहीं होती है, को गाँवसभा के अधीन करके खाली जमीन पर फलदार वृक्षारोपण भी किया जा सकता है। जिससे लोगों के आय के साधन बढ़ सकते हैं। जंगल पर अधिकार पत्र लेकर उसको विकसित करते हुए गाँव के हित में उपयोग में लेना ।
सड़क कच्ची सड़क सी.सी. सड़क पक्की सड़क	गाँव में 5 पक्की सड़क, 4 सी.सी., 2 कच्ची सड़के है मुख्य पक्की सड़क टूटी हुई है । सभी सी.सी. और कच्ची सडको की हालत ख़राब हो गयी है वे टूट गयी है इनसे मिटटी और कंकड़ उड़ते है इसके अलावा कुछ सड़कों को अधूरा छोड़ दिया	गाँव की अधूरी सड़क को सही किया जाये । पक्की सड़कों की मरम्मत की जाये । यदि गाँव के सभी कच्चे रास्ते सी.सी. सड़क में बदले जाये और सी.सी. सड़कों को चौड़ा करके पुनः बनाया जाये तो गाँव के भीतरी इलाके में आवागमन में सुविधा

	गया है जिस कारण धूल उडती है और सड़क किनारे रहने वाले लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है ।	होगी ।
स्कूल	गाँव में 2 प्राथमिक और 1 माध्यमिक स्कूल है सभी स्कूलों की छत से बारिश में पानी टपकता है और फर्श भी टूट रही है। खेल का मैदान और शौचालय की स्थिति सही नहीं है । पीने के शुद्ध पानी की व्यवस्था नहीं है । छात्रों की तुलना में अध्यापक भी कम है । दी जाने वाली शिक्षा की स्थिति काफी ख़राब दर्जे की है ।	प्राथमिक स्कूल में छत के ऊपर चाइना मोजिक करवाकर और प्लास्टर करवा कर अच्छा बनाया जा सकता है। फर्श, शौचालय की भी मरम्मत करवाना । खेल के मैदान की बाउन्ड्री बना कर सुरक्षित किया जा सकता है । अध्यापक नियुक्ति के लिए शिक्षा अधिकारी को पत्र लिखना और अध्यापकों को समय पर आने के लिए पाबंद करना यह कार्य गाँव सभा के माध्यम से करना है ।
उज्ज्वला गैस कनेक्शन	गाँव में 60 प्रतिशत लोगो को उज्ज्वला गैस योजना का लाभ नहीं मिल पाया है । जिन्हें मिल गया उनका मिटटी का तेल बंद कर दिया गया है लेकिन साथ ही उन परिवारों का भी मिटटी का तेल बंद कर दिया गया है जिन्हें इस योजना का लाभ नहीं मिला है ।	योजना को सही से लागू किया जाये और मिटटी का तेल पुनः शुरू किया जाये ।
बिजली	गाँव में सभी घरों में बिजली की सुविधा नहीं है । जिन लोगो को यह सुविधा मिली है वे भी बिल के बहुत ज्यादा आने से परेशान हो गये है ।	सही से मीटर की रीडिंग लेने के लिए कर्मचारी को पाबंद करना ।
शमशान घाट एवं पशुबाड़ा	1 श्मशान घाट है लेकिन टीन, छाया, पानी, रोड की व्यवस्था नहीं है न ही कोई बैठक व्यवस्था है । गाँव में किसी कों भी पशुबाड़ा नहीं मिला है ।	नए सिरे से निर्माण करवाना है और एक बैठक के लिए भवन बनवाना है । पशुबाड़ा निर्माण के लिए प्रस्ताव सीधे गाँव सभा में लिए जाये ।

गाँव सभा द्वारा चिन्हित मुख्य समस्याएं, उनके कारण, प्रस्तावित समाधान एवं वरीयता

क्र. सं.	समस्याएं	सार्वजनिक/ व्यक्तिगत	कारण	समाधान	तात्कालिक/ दीर्घकालिक
1	**शिक्षा सम्बंधित समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव में केवल 2 प्राथमिक स्कूल और 1 मा. स्कूल है,नियुक्त अध्यापक समय पर नहीं आते है । स्कूल की छत से बारिश में पानी टपकता है और छत से प्लास्टर भी गिर रहा है साथ ही फर्श भी टूट रही है । स्कूल का खेल मैदान और शौचालय की स्थिति सही नहीं है । अध्यापकों की कमी है ।	गाँव के स्कूलों में सभी व्यवस्था पूरी दी जाये और अच्छी दी जाये । सभी विषयों के अध्यापकों की नियुक्ति हो और समय पर आने के लिए पाबंद किया जाना चाहिये ।	**तात्कालिक**
2	**पेयजल की समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव में 32 कुएं और 36 हैंडपंप है लेकिन आधे से ज्यादा सूखे है या पानी नहीं आता है, गर्मी में बोरेवेल में भी पानी कम हो जाता है । गाँव का जलस्तर 200 फिट से नीचे चला गया है। गर्मी में तालाब और एनिकट के सूख जाने से मवेशियों के लिए भी पानी की समस्या हो जाती है ।	जो हैंडपंप और कुएं बंद हो गये है या जिनमे पानी कम आने लगा है उन्हें गहरा करवाना और गाँव में आर.ओ. प्लांट लगवाना ताकि फ्लोराइड मुक्त पेयजल मिल पाए । गाँव में एनिकट मरम्मत करना और बांध की ऊंचाई बढ़ाना और चेकडैम निर्माण करना और गाँव में बरसात के पानी को ज्यादा से ज्यादा रोक कर, कुएं रिचार्ज करके जल स्तर ऊंचा किया जा सकता है ।	**दीर्घकालिक**
3	**कृषि संबधी समस्या**	**व्यक्तिगत / सार्वजनिक**	गाँव की कृषि योग्य उपलब्ध भूमि उबड़ खाबड़ है। सिंचाई की सुविधा भी नहीं है। सिंचाई के लिए 8	खेतों को गाँव सभा द्वारा प्रस्ताव लेकर अपना खेत-अपना काम योजना के अंतर्गत समतलीकरण	**तात्कालिक**

			बरसाती नाले है जिन पर बारिश का पानी गाँव में रोकने के लिए 5 जर्जर एनिकट है । एनिकट और नालों में पानी अप्रैल मई तक समाप्त हो जाता है । पशुओ के पानी के लिए भी समस्या हो जाती है । सभी जल-स्रोतों में गर्मी के मौसम में पानी जल्दी ख़त्म हो जाता है ।	करवाना । बारिश के पानी को रोकने के लिए खेतों की मेड़ बंदी तथा कच्चे चेक डैम का निर्माण करना । घर और खेतों में पानी को रोकने के लिए टाके (पक्के खड्डे) बनवाना । एनिकट की मरम्मत करके उसकी ऊंचाई को बढ़ाना उपयोगी सिद्ध हो सकता है ।	
4	**रास्ते की समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव में पक्की सड़कों, सी.सी. सड़के और कच्ची तेज बारिश होने के कारण काफी ख़राब हो गयी है जिसके कारण हादसों की संभावना बनी रहती है । अंदरूनी रास्ते भी कच्चे है ।	गाँवसभा कमेटियों के गठन के बाद जहां जहां रास्ते नहीं है वहां के प्रस्ताव लिए गए हैं और टूटे हुए रास्तों को फिर से ठीक करना और कच्ची सड़क को सी.सी. सड़क में बदलना ।	**तात्कालिक**
5	**सरकारी योजनाओं की सहीं क्रियान्विति ना होना**	**व्यक्तिगत**	गाँव में किसी को भी पशुबाड़ा नहीं मिला है । गाँव में अभी भी कुछ परिवार वालों को आवास योजना का लाभ नहीं मिला है । इसमें सबसे बड़ी समस्या यह है कि जिन लोगों के आवास बन भी गए हैं उनमें से ज्यादातर लोगों का पूरा भुगतान नहीं हुआ है। पेंशन में समस्या यह है कि गाँव में सरकारी कागजातों में उम्र अलग-अलग होने से भी लोगों	गाँव के सबसे जरूरतमंद लोगों को आवास निर्माण हेतु आवेदन कराना और उसके लिए प्रयास करना। बकाया राशि का भुगतान तुरंत करना। जिन लोगों को पेंशन नहीं मिल रही है उनको पेंशन योजना से जोड़ना। बंद पेंशन का भुगतान तुरंत शुरू करवाना।	**तात्कालिक**

			की पेंशन भी बंद है। और समय पर जीवित प्रमाणपत्र ना प्रस्तुत करना भी एक कारण है ।		
6	**काबिज भूमि पर खातेदारी का हक नहीं मिलना और सामुदायिक दावा पत्र नहीं मिलना ।**	**सार्वजनिक**	लोग कई पीढ़ियों से गाँव में बसे हैं लेकिन जितनी भूमि पर वह काबिज है उसकी खातेरदारी का हक उनको नहीं मिला है। पिछले कुछ सालो से इसे सरकार के द्वारा बंद कर दिया गया है । जिसके कारण भविष्य में उनकी जमीन आसानी से छीन जाने का संकट खड़ा हो गया है।	काबिज भूमि पर सामूहिक दावा करना। पट्टे की जमीन जिसकी पैनल्टी राजस्व विभाग ने लेना बंद कर दिया है उसे कोर्ट में जमा करना क्योंकि पेनल्टी नहीं देने से पट्टा खारिज हो जाएगा और धारा 91 के अनुसार काबीज जमीन का नियमन कराना। गाँव सभा द्वारा सबकी फाइल तैयार करके एक साथ राजस्व विभाग में दावे का मुकदमा करना।	**दीर्घकालिक**

संसाधन आंकलन व SWOT विश्लेषण

S- Strengths शक्तियां	W- Weakness कमजोरी	O- Opportunities अवसर	T- Threats चुनौतियां
आवागमन - कच्चे रास्ते, सी.सी. सड़क, पक्की सड़कें	टूटी हुई पक्की सड़क और सी.सी. सड़क को सही नहीं करवाना। कच्चे रास्ते को सी.सी. में नहीं बदलवाना । गाँव में बस स्टैंड की मांग नहीं करना ।	रास्ते ठीक होने से गाँव में साधन आ जा सकते हैं लोगों को आने जाने में समय की बचत होगी। रोड़ लाइट लगने से दुर्घटनाओ की संभावना कम हो जायेगी । बीमारी की हालत में मरीज को जल्दी चिकित्सा सुविधा मिल सकती है ।	इस समस्या को लेकर अधिक से अधिक लोगो का गाँव सभा में नहीं आना, साथ ही वे इसको सरकार पर छोड़ रहे है ।
जल-स्रोत संसाधन	गाँव में 8 नाले, 7 तालाब है जिनपर 5	कच्चे और पक्के चेकडेम निर्माण, पानी को रोकने	पंचायत द्वारा इस चुनौती से निपटने के

	एनिकट भी बने है लेकिन 3 एनिकट जर्जर व कमजोर है, नाले बारिश के बाद ही सूख जाते है । 32 कुएं और 36 हैंडपंप है लेकिन गर्मी में पानी सूख जाने से संकट हो जाता है । एनिकट मरम्मत के लिए गाँव के लोगों में जागरूकता की कमी । सरकारी योजना और मौसम पर अधिक निर्भर रहना ।	के लिए घरों में पक्की टंकी का निर्माण करवाना । बरसात के पानी को योजनाबद्ध तरीके से रोका जाए जिससे सिचाई और अशुद्ध पीने के पानी के संकट को दूर किया जा सकता है और भू जल स्तर को भी ऊँचा किया जाता हैं। बोरवेल का उपयोग कम करके कुओ से पानी निकालना । ताकि जल स्तर एकदम से नीचे न जाये ।	लिए कोई पहल नहीं करना और योजना होते हुए भी ना क्रियान्वित करना । गाँव के लोगों की उदासीनता । गाँव सभा में इसके लिए प्रस्ताव लेना ।
आजीविका के साधन	गाँव में खेती और मनरेगा के अलावा और किसी रोजगार के साधन का अभाव । कृषि उत्पादन की कमी। अच्छी नस्ल के दुधारू पशुओं का अभाव। जंगल पर वन विभाग का कब्ज़ा है ।	गाँव में खाली पड़ी जमीन और पहाड़ियों पर वृक्षारोपण, अच्छी नस्ल के पशुओं का सरकार के द्वारा उपलब्ध करवाना । लघुगृह उद्योग, सब्जी की खेती से आय के स्रोत बढ़ाये जा सकते हैं। जंगल को गाँव सभा के अधीन करके पुनर्जीवित करना ।	गाँव के लोगों के पास पर्याप्त खेती कीजमीन का अभाव। उन्नतशील बीज और बेहतर किस्म के पशुओ का अभाव। जमीन और पहाड़ों के बेहतर प्रबंधन की कमी।
भूमि	सभी लोगों के पास कब्जे की जमीन के पट्टे ना होना । खेती की पर्याप्त जमीन नहीं होना।	खेती की जमीन की उर्वरा शक्ति को बढ़ाना। गाँव की सार्वजनिक खाली पड़ी जमीन पर फलदार वृक्षारोपण करवाना।	सभी लोगों के पास पर्याप्त जमीन का अभाव। सिंचाई का अभाव खाली पड़ी जमीन के बेहतर उपयोग की योजना का अभाव।

- **गाँव सभा द्वारा तैयार गाँव का नजरिया नक्शा-**

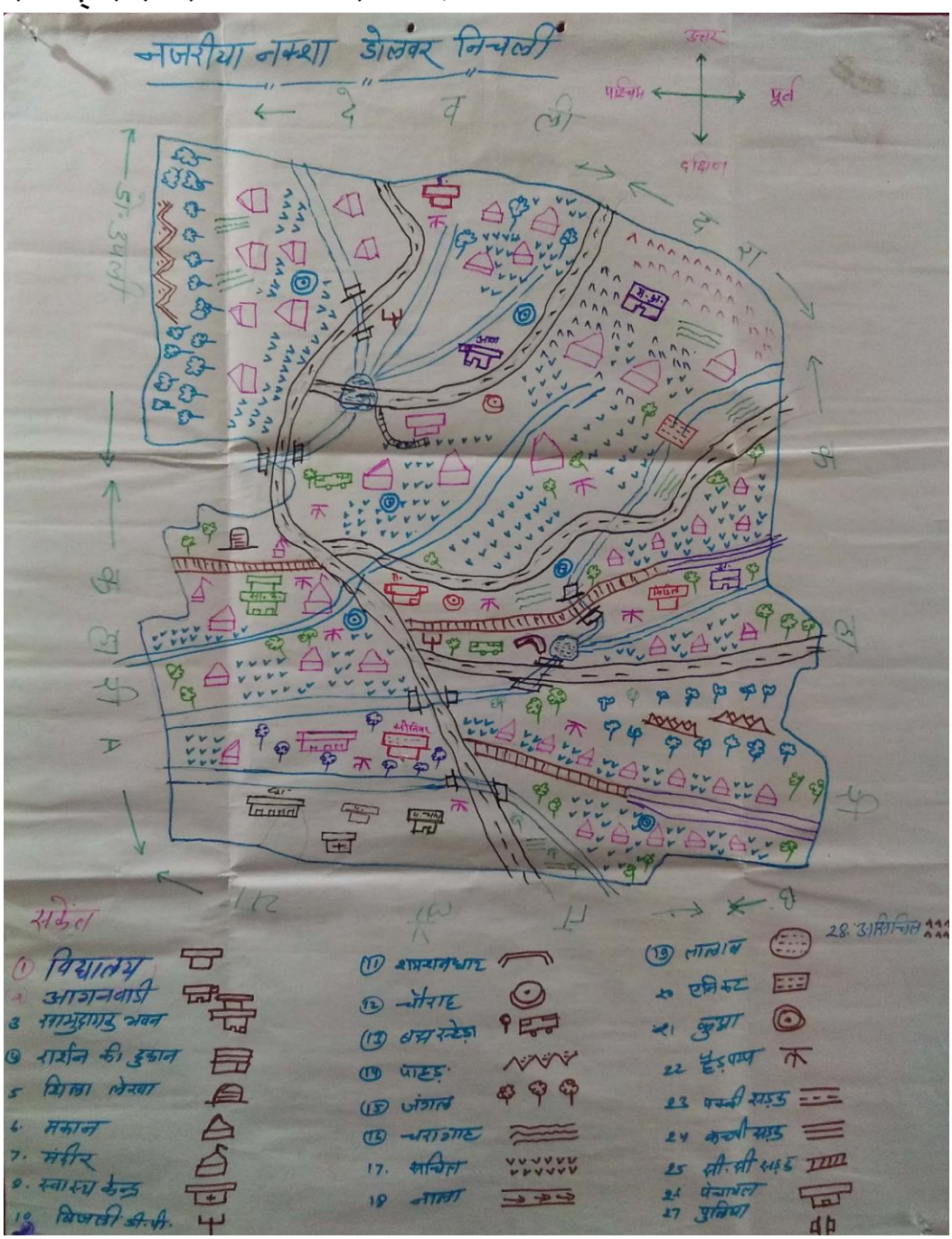

- **गाँवसभा द्वारा तैयार गाँव विकास योजना में प्रस्तावित कार्यो का विवरण -**

प्रस्तावित कार्य	संख्या
पेंशन के सम्बन्ध में	
वृद्धा पेंशन	15
एकलनारी पेंशन	1
विकलांग पेंशन	2
पालनहार (0-5 वर्ष = 4) (6-18 वर्ष = 7)	11
पी.एम., सी.एम. आवास योजना	11
स्कूल के सम्बंध में	
पनिदरा प्रा. वि.में -	
अध्यापको की नियुक्ति	
खेल का मैदान समतलीकरण	
शौचालय मरम्मत	
कहारी ब प्रा. वि.-	
खेल का मैदान समतलीकरण	
मुख्य दरवाजा मरम्मत	
रसोईघर मरम्मत	
शुद्ध पानी की व्यवस्था	1
उच्च प्रा. वि. डोलवर निचली	
कक्षा कक्ष निर्माण	4
आर.ओ. प्लांट	1
शौचालय निर्माण (छात्र-छात्राओ के लिए)	
उप स्वास्थ्य केंद्र निर्माण के सम्बन्ध में	1
राशन की दुकान मरम्मत के सम्बन्ध में	1
सामुदायिक भवन निर्माण के संबंध में	
परकोटा निर्माण, छत मरम्मत	2
नया सामुदायिक भवन	
मिनी आंगनवाड़ी भवन निर्माण	3
रास्ता निर्माण के सम्बन्ध में	
कच्ची सड़क	8
सी.सी. सड़क	10
तालाब गहरीकरण और रिन्ग्वाल के सम्बन्ध में	2
नया तालाब निर्माण के सम्बन्ध	4

हैंडपंप के सम्बन्ध में नए हैंडपंप पुराने हैंडपंप	 4 8
<u>केटेगरी 4 के कार्य</u> पशुवाडा निर्माण, खेत समतलीकरण, मेड़बंदी, रिंगवाल, कुआं गहरीकरण मरम्मत	15
पक्के चेकडैम निर्माण के सम्बन्ध में	8
नया एनिकट निर्माण के सम्बन्ध में एनिकट मरम्मत के सम्बन्ध में	1 1
सामुदायिक वन दावा करने के सम्बन्ध में	
सामाजिक कुरीतियों पर रोक के सम्बन्ध में	
श्मशान घाट निर्माण के सम्बन्ध में	2
पशु चिकित्सालय भवन निर्माण के सम्बन्ध में	1
विलायती बबूल काटने के सम्बध में	

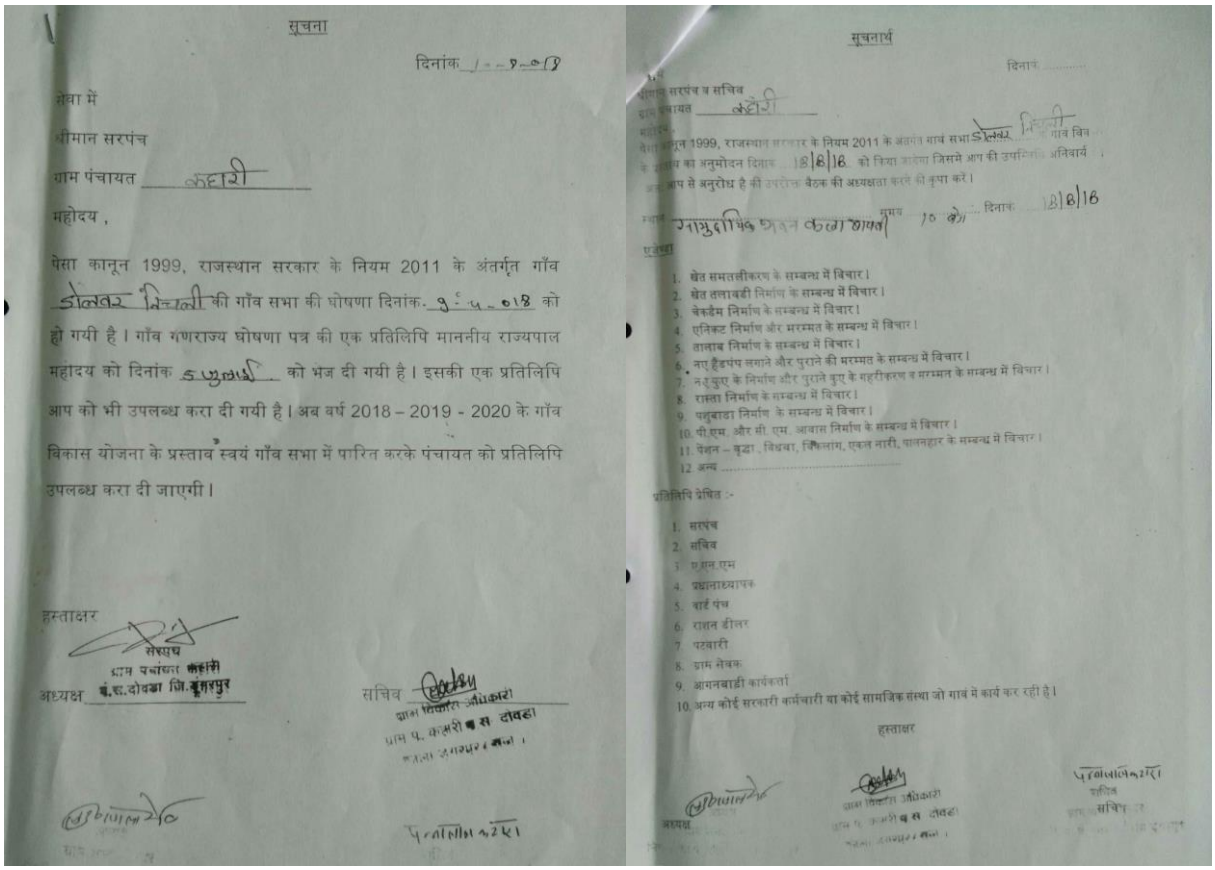

गाँव विकास नियोजन प्रक्रिया -

सूचना

दिनांक 1-9-018

सेवा में

श्रीमान सरपंच

ग्राम पंचायत कहारी

महोदय ,

पेसा कानून 1999, राजस्थान सरकार के नियम 2011 के अंतर्गत गाँव [illegible] की गाँव सभा की घोषणा दिनांक 9-5-018 को हो गयी है। गाँव गणराज्य घोषणा पत्र की एक प्रतिलिपि माननीय राज्यपाल महोदय को दिनांक [illegible] को भेज दी गयी है। इसकी एक प्रतिलिपि आप को भी उपलब्ध करा दी गयी है। अब वर्ष 2018 – 2019 - 2020 के गाँव विकास योजना के प्रस्ताव स्वयं गाँव सभा में पारित करके पंचायत को प्रतिलिपि उपलब्ध करा दी जाएगी।

हस्ताक्षर

अध्यक्ष

सचिव

सूचनार्थ

दिनांक

श्रीमान सरपंच व सचिव

ग्राम पंचायत कहारी

महोदय,

पेसा कानून 1999, राजस्थान सरकार के नियम 2011 के अंतर्गत गांव सभा [illegible] गांव वि[illegible] के प्रस्ताव का अनुमोदन दिनांक 18/8/18 को किया जायेगा जिसमे आप की उपस्थिति अनिवार्य है। अतः आप से अनुरोध है की उपरोक्त बैठक की अध्यक्षता करने की कृपा करें।

स्थान [illegible] समय 10 बजे दिनांक 18/8/18

एजेण्डा

1. खेत समतलीकरण के सम्बन्ध में विचार।
2. खेत तलावडी निर्माण के सम्बन्ध में विचार।
3. चेकडैम निर्माण के सम्बन्ध में विचार।
4. एनिकट निर्माण और मरम्मत के सम्बन्ध में विचार।
5. तालाब निर्माण के सम्बन्ध में विचार।
6. नए हैंडपंप लगाने और पुराने की मरम्मत के सम्बन्ध में विचार।
7. नए कुए के निर्माण और पुराने कुए के गहरीकरण व मरम्मत के सम्बन्ध में विचार।
8. रास्ता निर्माण के सम्बन्ध में विचार।
9. पशुबाडा निर्माण के सम्बन्ध मे विचार।
10. पी.एम. और सी. एम. आवास निर्माण के सम्बन्ध मे विचार।
11. पेंशन – वृद्धा , विधवा, विकलांग, एकल नारी, पालनहार के सम्बन्ध मे विचार।
12. अन्य ....

प्रतिलिपि प्रेषित :-

1. सरपंच
2. सचिव
3. ए.एन.एम
4. प्रधानाध्यापक
5. वार्ड पंच
6. राशन डीलर
7. पटवारी
8. ग्राम सेवक
9. आंगनबाडी कार्यकर्ता
10. अन्य कोई सरकारी कर्मचारी या कोई सामाजिक संस्था जो गावं में कार्य कर रही है।

हस्ताक्षर

अध्यक्ष

सेवा में,

श्रीमान सरपंच/सचिव महोदय,
ग्राम पंचायत ....कांकरी....

विषय :- गाँव के सामाजिक व आर्थिक विकास के कार्यक्रमों आदि का क्रियान्वयन के पूर्व अनुमोदन के सम्बन्ध में।

महोदय,

हम आपका ध्यान पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम 1999 की ओर आकर्षित करना चाहते हैं, इस अधिनियम के तहत संविधान में पंचायत व्यवस्था के भाग 9 के प्रावधानों के अनुसूचित क्षेत्रों पर जरूरी फेरबदल के साथ लागु किया है।

हम लोगों ने अपने इस रहवास को औपचारिक तौर पर गाँव के रूप में स्वीकार किया है और पंचायत उपबंध अधिनियम 1999 की धारा 3(क) के तहत ग्राम सभा का गठन किया है। इसके अनुसार धारा 3(ग)(I) के तहत ग्राम पंचायत किसी भी विकास के कार्यक्रम के प्रस्ताव या उसके क्रियान्वयन के पूर्व गाँव की ग्राम सभा से अनुमोदन करना आवश्यक है। हमने हमारी ग्राम सभा द्वारा निम्न प्रस्ताव (सुची संलग्न है) पारित कर आपके पास भिजवाये जा रहे है जिसको आप ग्राम पंचायत के रजिस्टर में पंजियन कर अग्रिम कार्यवाही करते हुए कार्य प्रारम्भ करावें।

भवदीय
ग्राम सभा सदस्यगण
ग्राम ....डोलवर निचली....

प्रतिलिपि :-
1. श्रीमान विकास अधिकारी ....
2. श्रीमान जिला कलेक्टर महोदय ....
3. श्रीमान मुख्य कार्यकारी अधिकारी ....
4. निजी रिकॉर्ड

अध्यक्ष — ग्राम सभा डोलवर, निचली ग्रा.पं. कांकरी जिला डूंगरपुर
पन्नालाल कटारा, सचिव — ग्राम सभा डोलवर, निचली ग्रा.पं. कांकरी जिला डूंगरपुर

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पं. कांकरी प.स. दोवड़ा
जिला डूंगरपुर (राज.)

पेसा कानुन 1996, राजस्थान सरकार के अधिनियम 1999 व नियम 2011 के अन्तर्गत आज दिनांक 18/8/2018 को डोलवर निचली गांव की गांव सभा की बैठक सामुदायिक भवन कला बावसी पर आयोजित की गयी। गांव सभा में उपस्थित गाव वासीयो ने पन्नालाल कटारा को अध्यक्ष चुना जिनकी अध्यक्षता में बैठक की कार्यवाही की गई। गांव सभा की बैठक में निम्नलिखित प्रस्तावो पर चर्चा की गयी और उनका अनुमोदन किया गया।

एजेण्डा :-

1. पेशन के सम्बध में
2. पी. एम. और सि. एम. आवास निर्माण के सम्बध मे
3. शौचालय के सम्बध मे
4. स्कुल के सम्बध मे
5. उप स्वास्थ्य केन्द्र
6. राशन की दुकान के सम्बध मे
7. सामुदायिक भवन
8. आंगनवाडी के सम्बध
9. रास्ता निर्माण के सम्बध मे
10. तालाब निर्माण / गहरीकरण के सम्बध मे
11. नए हेण्डपम्प लगवाने और पुराने की मरम्मत
12. खेत समतलीकरण / पशुबाडा निर्माण / खेत तलाई निर्माण / एनिकट के गहरीकरण व मरम्मत के सम्बध मे
13. चेकडेम निर्माण के सम्बध मे
14. एनिकट निर्माण और मरम्मत के सम्बध मे
15. सामुदायिक वन दावा करने के सम्बध मे
16. काबिज भुमी पर व्यक्तिगत दावा करने के सम्बध मे
17. सामाजिक विवाद निपटारा के सम्बध मे
18. सामाजिक कुरीतियों के सम्बध मे
19. श्मशान घाट के सम्बध मे
20. पशु चिकित्सालय

प्रस्ताव जो रखे गये	प्रस्ताव जो पारित हुए	अनुमानित लागत	सम्बंधित विभाग	
पशु चिकित्सालय निर्माण गांव मे पशु दवाखाना नही होने से गांव डोलवर निचली मे धापेश्वर महादेव मन्दिर के सामने बस स्टेण्ड के पास बनाया जाये।	प्रस्ताव सं 18 मे प्रस्तावित पशु चिकित्सालय का प्रस्ताव गांव डोलवर निचली मे धापेश्वर महादेव के पास बनाने का सर्व सम्मति से पारित किया गया	पशु चिकित्सालय भवन निर्माण 7,00,000/-	पशु पालन विभाग पंचायती राज विभाग	[illegible] सुशिला [illegible]
विलायति बबुल को नष्ट करने के सम्बध मे गांव डोलवर निचली मे बहुतायत संख्या मे विलायति बबुल होने के कारण जड से खत्म करने के सम्बध मे	प्रस्ताव सं 19 के प्रस्तावित विलायति बबुल गांव से नष्ट करने का प्रस्ताव सर्व सम्मति से पारित कीया गया।		पंचायती राज विभाग (मनरेगा)	[illegible] [illegible]
गाव सभा की कार्यवाही को अग्रसारित करने के लिए निम्नलिखित लोगो को अधिकृत किया गया। (1) मोगीलाल (2) पन्नालाल कटारा (3) देवीलाल डामोर (4) प्रभुलीला (5) लक्ष्मणसिंह (6) मरती (7) [illegible]		अध्यक्ष द्वारा गांव सभा की बैठक मे उपस्थित लोगो को धन्यवाद देकर गाव सभा की बैठक का समापन कीया गया।		मरती

(हस्ताक्षर बैठक अध्यक्ष) पन्नालाल कटारा

अध्यक्ष — ग्राम सभा डोलवर, निचली ग्रा.पं. कांकरी जिला डूंगरपुर
पन्नालाल कटारा, सचिव — ग्राम सभा डोलवर, निचली ग्रा.पं. कांकरी जिला डूंगरपुर

ग्राम सभा डोलवर
निचली ग्रा.पं. कांकरी जिला डूंगरपुर

विलेज प्लानिंग फेसिलिटेटर टीम (वीपीएफटी)

1. जीवा लाल
2. पन्नालाल कटारा 8769346070